विद्या भवन बालिका विद्यापीठ

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय

विषय संस्कृत दिनांक 22-04-2021

वर्ग- अष्टम शिक्षक राजेश कुमार पाण्डेय

एन० सी० ई० आर० टी० पर आधारित

मातृ (माँ)

–मातृ (माता) शब्द के रूप - भेद, चिह्न उदाहरण (संस्कृत व्याकरण)

मातृ (माता) शब्द के रूप -

मातृ (माता) शब्द रूप: माता वह है जिसके द्वारा कोई प्राणी जन्म लेता है। माता का संस्कृत मूल मातृ है। हिन्दी में इस शब्द का प्रयोग प्रायः इष्टदेवी को संबोधित करने के लिये किये हैं

शमातृ (माता) ऋकारान्त स्त्रीलिंग -

विभक्ति	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन

प्रथमा	माता	मातरौ	मातरः
द्वितीया	मातरम्	मातरी	मातृः
तृतीया	मात्रा	मातृभ्याम्	मातृभिः
चतुर्थी	मात्रे	मातृभ्याम्	मातृभ्यः
पञ्चमी	मातुः	मातृभ्याम्	मातृभ्यः
षष्ठी	मातुः	मात्रोः	मातृणाम्
सप्तमी	मातरि	मात्रोः	मातृषु
सम्बोधन	हे मातः!	हे मातरौ!	हे मातरः!

मातृ (माता) शब्द रूप विशेष के - इसी प्रकार दुहितृ (बेटी), यातृ (देवरानी), ननान्दृ (ननद) आदि के रूप चलते हैं।